No. of Printed Pages : 6 **MSK–001**

स्नातकोत्तर कला उपाधि

(संस्कृत)

(एम. एस. के.)

सत्रांत परीक्षा

दिसम्बर, 2025

एम.एस.के.–001 : संस्कृत साहित्यशास्त्र एवं साहित्य

समय : 3 घण्टे अधिकतम अंक : 100

नोट : *सभी खण्ड अनिवार्य हैं। खण्डों में दिये गये निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों के उत्तर दीजिए।*

खण्ड-क

निर्देश : *अधोलिखित में से किसी* ***एक*** *की विस्तृत व्याख्या कीजिए।*

20

1. (क) सङ्केतो गृह्यते जातौ गुणद्रव्यक्रियासु च। जातिर्गोपिण्डादिषु गोत्वादिका। गुणो विशेषाधानहेतुः सिद्धो वस्तुधर्मः। शुक्लादयो हि गवादिकं सजातीयेभ्यः कृष्णगवादिभ्यो व्यावर्तयन्ति। द्रव्यशब्दा एकव्यक्तिवाचिनो हरिहरडित्थडवित्थादयः। क्रियाः साध्यरूपा वस्तुधर्माः पाकादयः। एषु हि अधिश्रयणावश्रयणान्तादिपूर्वापरीभूतो व्यापारकलापः पाकादिशब्दवाच्यः। एष्वेव हि व्यक्तेरुपाधिषु संकेतो गृह्यते, न व्यक्तौ, आनन्त्यव्यभिचारदोषापातात्।

   (ख) संयोगो विप्रयोगश्च साहचर्यं विरोधिता।

   अर्थः प्रकरणं लिङ्गं शब्दस्यान्यस्य सन्निधिः॥

   सामर्थ्य मौचिती देशः कालो व्यक्तिः स्वरादयः।

   शब्दार्थस्यानवच्छेदे विशेषस्मृतिहेतवः॥

2. अधोलिखित श्लोकों में से किन्हीं **दो** की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : 2×10=20

(क) धूमज्योतिः सलिलमरुतां सन्निपातः क्व मेघः ?
सन्देशार्थाः क्व पटुकरणैः प्राणिभिः प्रापणीयाः ?
इत्यौत्सुक्यादपरिगणयन्गुह्यकस्तं ययाचे
कामाऽऽर्ता हि प्रकृतिकृपणाश्चेतनाचेतनेषु॥

(ख) हित्वा हालामभिमतरसां रेवतीलोचनाङ्कां
बन्धुप्रीत्या समरविमुखो लाङ्गली याः सिषेवे।
कृत्वा तासामधिगममपां सौम्य! सारस्वतीना–
मन्तः शुद्धस्त्वमपि भविता वर्णमात्रेण कृष्णः॥

(ग) तां जानीथा परिमितकथां जीवितं मे द्वितीयं
दूरीभूते मयि सहचरे चक्रवाकीमिवैकाम्।
गोढोत्कण्ठां गुरुषु दिवसेष्वेषु गच्छत्सु बालां
जातां मन्ये शिशिरमथितां पद्मिनीं वान्यरूपाम्॥

(घ) त्वामालिख्य प्रणयकुपितां धातुरागैः शिलाया–

मात्मानं ते चरणपतितं यावदिच्छामि कर्तुम्।

अश्रस्तावन्मुहुरुपचितैर्दृष्टिरालुप्यते मे

क्रूरस्तस्मिन्नपि न सहते सङ्गमं नौ कृतान्तः॥

3. अधोलिखित में से किन्हीं **दो** का हिन्दी भाषा में अनुवाद कीजिए : 2×10=20

(क) एततु मां दहति यद्गृहमस्मदीयं,

क्षीणार्थमित्यतिथयः परिवर्जयन्ति।

संशुष्कसान्द्रमदलेखमिव भ्रमन्तः,

कालात्यये मधुकराः करिणः कपोलप्॥

(ख) एता हसन्ति च रुदन्ति च वित्तहेतो–

विश्वासयन्ति पुरुषं न तु विश्वसन्ति।

तस्मान्नरेण कुलशीलसमन्वितेन

वेश्याः श्मशानसुमना इव वर्जनीयाः॥

(ग) पश्चन्ति मां दशदिशो वनदेवताश्च चन्द्रश्च

दीप्तकिरणश्च दिवाकरोऽयम्।

धर्मानिलौ च गगनं च तथान्तरात्मा भूमिस्तथा

सुकृतदुष्कृतसाक्षिभूता॥

खण्ड–ख

4. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

2×10=20

(क) मुख संधि के लक्षण देते हुए उसके भेदों पर प्रकाश डालिए।

(ख) नायिका का लक्षण देते हुए उसके भेदों को स्पष्ट कीजिए।

(ग) साधारणीकरण को स्पष्ट कीजिए।

(घ) महाकवि कालिदास द्वारा वर्णित वियोगजन्य प्रेमाभिव्यक्ति को अपने शब्दों में वर्णन कीजिए।

5. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणियाँ लिखिए :

2×5=10

(क) लक्षणा

(ख) धीरप्रशांत नायक

(ग) मुख–संधि

(घ) 'प्रकरण' (रूपक का भेद)

6. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर निर्देशानुसार लिखिए :

2×5=10

(क) 'मृच्छकटिकम्' में वर्णित समाज का चित्रण कीजिए।

(ख) शकार का चरित्र–चित्रण कीजिए।

(ग) चारुदत्त का चरित्र–चित्रण कीजिए।

(घ) मेघ के मार्ग का वर्णन कीजिए।

× × × × ×